News सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-14
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

जिंदगी में सबसे बड़ा धनवान वो इंसान होता है, जो दूसरों को अपनी मुस्कुराहट देकर उनका दिल जीत लेता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार सिटी चीफ

बिहार, रविवार, 20 अप्रैल , 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

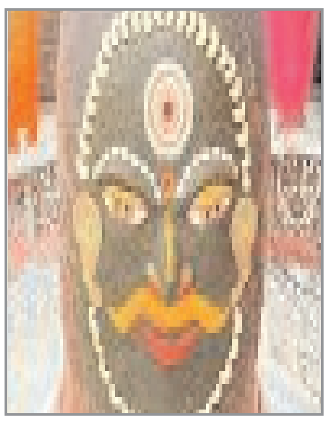

146 लोगों के खिलाफ दर्ज हुई FIR

बिहार में अफीम की खेती पर बड़ा एक्शन, 800 एकड़ की फसल नष्ट

पटना, राज्य में नक्सलियों के घटते प्रभाव का असर अवैध ढंग से की जा रही अफीम की खेती पर भी पड़ा है। बिहार पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों के सघन ऑपरेशन से उनका दायरा अब झारखंड के सीमावर्ती जंगली इलाकों तक ही रह गया है। इन इलाकों में भी सेटेलाइट तस्वीरों और ड्रोन की मदद से अफीम के अवैध खेतों को चिह्नित कर कार्रवाई की जा रही है।

छह माह में करीब आठ सौ एकड़ में लगी अफीम की फसल नष्ट

बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू), नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और अन्य केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने पिछले छह माह में करीब आठ सौ एकड़ में लगी अफीम समेत अन्य मादक पदार्थों की अवैध खेती को नष्ट किया है।

इसमें 790.5 एकड़ में अफीम, जबकि 21.54 एकड़ में भांग की अवैध खेत को नष्ट किया गया है। इस मामले में 146 प्राथमिकी भी दर्ज की गई हैं, जिसके आधार पर आरोपितों को चिह्नित कर कार्रवाई की जा रही है।

आधी हुई नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या

बिहार में पिछले छह सालों में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या आधी हो गई है। वर्ष 2018 में जहां 16 जिले नक्सल प्रभावित थे वहीं अब सात-आठ जिले ही नक्सली असर वाले रह गए हैं। उत्तर बिहार को नक्सल मुक्त घोषित किया जा चुका है। अब दक्षिण बिहार में झारखंड से सटे नक्सलियों के बचे-खुचे प्रभावित क्षेत्रों को चिह्नित कर सुरक्षा और संचार के माध्यम मजबूत किए जा रहे हैं। इसका असर भी हो रहा है। पहले जिन इलाकों में पुलिस और सुरक्षाबलों की पहुंच नहीं थी, अब वहां लगातार गश्ती हो रही। इसके कारण इन इलाकों में अफीम की खेती या अन्य अवैध काम कम हुए हैं।

पुलिस के वरीय अधिकारियों के अनुसार, अब अफीम की खेती मुख्य रूप से झारखंड से सटे जंगली इलाकों तक रह गई है। इसमें गया के चकरबंधा और धनगई जबकि औरंगाबाद के कुछ इलाके हैं, जहां इस साल बिहार पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया गया है। इस ऑपरेशन में जनसहयोग भी मिल रहा है और आसपास के लोग भी पुलिस को इन अवैध कामों की जानकारी दे रहे हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही इन सुदूर जंगली इलाकों से भी नक्सल प्रभाव के साथ अफीम की खेती भी इतिहास की बात हो जाएगी।

बेगूसराय में ट्रेन में लगी आग जान बचाकर भागे यात्री

बेगूसराय, जिले के तिलरथ स्टेशन के पास एक ट्रेन में अचानक आग लग गई। आग लगने के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में ट्रेन के ड्राइवर ने सूझ-बूझ का परिचय देते हुए ट्रेन को रोक दिया। इसके बाद आग पर काबू पाया गया। वहीं ट्रेन रुकते ही ट्रेन में सवार लोग उतर कर इधर-उधर भागने लगे। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि ट्रेन के इंजन में आग लगी हुई थी। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है। जानकारी के मुताबिक ट्रेन तिलरथ से जमालपुर जा रही थी। यह एक डीएमयू ट्रेन थी।

ट्रेन से उतर कर भागे यात्री

दरअसल, बेगूसराय से ट्रेन में आग लगने की खबर सामने आ रही है। तिलरथ से जमालपुर जा रही डीएमयू ट्रेन के इंजन में आग लग गई। आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। ट्रेन के इंजन में आग लगने के बाद रेल यात्री ट्रेन से कूद कर भागने लगे। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि ट्रेन के इंजन में आग लगी हुई है और लोग ट्रेन से उतर कर जान बचाकर भाग रहे हैं। यह पूरा मामला सोनपुर डिवीजन के बरौनी कटिहार रेल सेक्शन के तिलरथ स्टेशन के पास का है।

बड़ा हादसा टला

हालांकि ट्रेन के इंजन में आग लगने के बाद ट्रेन ड्राइवर की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। बताया जा रहा है कि तिलरथ से जमालपुर जाने वाली डीएमयू ट्रेन के इंजन में अचानक आग लग गई।

आग लगते ही ड्राइवर ने सूझबूझ का परिचय देते हुए ट्रेन को उसी जगह रोक दिया। ट्रेन के ड्राइवर ने ट्रेन को रोका और इसके बाद इंजन में लगी हुई आग पर काबू पाया गया। फिलहाल इस घटना के बाद रेल प्रशासन पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटा हुआ है। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

गुस्से में ताबड़तोड़ 20 गोलियां मारी

पुलिस कांस्टेबल ने अपने साथी सिपाही को गोलियों से भूना

बेतिया, बिहार के बेतिया में एक बड़ी घटना हुई है, जिसमें पुलिस के एक जवान ने अपने साथी जवान को गोलियों से भून दिया। मृतक की पहचान सोनू कुमार के रूप में की गई है। बताया जाता है कि उसके साथी परमजीत कुमार ने सोनू कुमार को 11 गोलियां मारी हैं, जबकि उसने कुल 20 गोलियां फायर की थी। घटना पुलिस लाइन की है।

घटना के संबंध में पुलिस लाइन में मौजूद अन्य सिपाहियों ने बताया कि बेतिया के पुलिस लाइन परिसर में किसी बात को लेकर परमजीत कुमार और सोनू कुमार के बीच कहा सुनी हुई। देखते ही देखते मामला ऐसा हो गया कि परमजीत कुमार ने अपने साथी पुलिस कांस्टेबल सोनू कुमार के ऊपर अपनी एसएलआर तान दी। तबतक दोनों में कहासुनी होती रही।इसी दौरान परमजीत सोनू पर ताबड़तोड़ फायरिंग करने लगा। बताया जाता है कि परमजीत ने सोनू के चेहरे पर 11 गोलियां मारी हैं। इस घटना में सोनू की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर मौजूद अन्य सिपाहियों का कहना है कि परमजीत ने लगभग 20 राउंड से भी अधिक गोलियां चलाई है।

पूर्व का था विवाद

घटना की सूचना मिलते ही सभी वरीय पदाधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गये। उनका कहना है कि गोलियों की तड़तड़ाहट सुनकर अन्य जवान भी उधर भागे, तब तक आरोपी परमजीत कुमार भागने लगा, लेकिन अन्य जवानों ने उसे खदेड़कर पकड़ लिया। फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य सिपाहियों का कहना है कि दोनों में पूर्व का विवाद था, लेकिन असली वजह क्या थी, फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी परमजीत से भी पूछताछ की जा रही है। वरीय अधिकारी भी अपने स्तर से जांच कर रहे हैं।

शादी के सात दिन बाद नई नवेली दुल्हन ने कर दिया ऐसा कांड, देखता रह गया पति...घरवालों के भी उड़े होश

बिहार के औरंगाबाद जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां पर एक नवविवाहिता शादी के सातवें दिन अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। जैसे ही इसकी खबर ससुरालियों को हुई तो वहां हड़कंप मच गया। वहीं, इस मामले में पति ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

जानकारी के मुताबिक, मामला जिले के रफीगंज थाना क्षेत्र का है। पति ने अनुसार, इसी महीने उसकी काजल नाम की लड़की के साथ शादी हुई थी। शादी के बाद सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा था। पति ने बताया कि शादी के सातवें दिन पत्नी ने कहा कि उसका

कॉलेज में कुछ जरूरी शैक्षणिक कार्य है। इसके बाद दोनों बाइक पर सवार होकर रफीगंज के कासमा रोड स्थित उसके कॉलेज में गए। काम होने के बाद जब वापस घर लौट रहे थे तो रफीगंज बस स्टैंड के पास पत्नी बहाना बनाकर बाइक से उतरी और प्रेमी के साथ वहां से रफूचक्कर हो गई। पत्नी के अचानक लापता होने के बाद उसने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कुछ पता न चला। इसके बाद थक हार के पति ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस

वहीं, पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस दोनों की तलाश कर रही है। इधर, जैसे ही इसकी खबर ससुरालियों को हुई तो वहां हड़कंप मच गया। सभी स्तब्ध हैं।

पटना एयरपोर्ट को लेकर नया नियम आया सामने

नहीं मानने पर लगेगा भारी जुर्माना

पटना, ऐसा कोई उपकरण जिससे लेजर लाइट निकलती हो, उसका उपयोग पटना एयरपोर्ट के आसपास के क्षेत्र में नहीं किया जाएगा। शादी अथवा अन्य समारोह में बैंड-बाजा या डीजे बजाने से पूर्व संबंधित थाने से अनुमति लेने होगी। आश्वस्त करना होगा कि उसमें लगी लाइट हवाईअड्डा तक नहीं पहुंचेगी। इसके बाद ही थाने से अनुमति मिलेगी। यह निर्देश विशेषकर एयरपोर्ट, फुलवारीशरीफ, गर्दनीबाग और सचिवालय थाना क्षेत्रों के लिए है, जो हवाईअड्डा के करीब हैं। इस संबंध में शुक्रवार को एसएसपी ने बैठक कर थानेदारों और एसडीपीओ को निर्देश दिए। बैठक के उपरांत थानेदारों ने डीजे बजाने को लेकर संचालकों से बंधपत्र भरवाया। इसमें संचालकों ने रात 10 बजे के बाद डीजे नहीं बजाने की शपथ ली। इसके अलावा उन्होंने पुलिस को आश्वस्त किया कि वे रात में लेजर लाइट का प्रयोग नहीं करेंगे। ऐसा करने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। गौर हो कि गुरुवार को पटना एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान पुणे की फ्लाइट पर लेजर लाइट पड़ने की वजह से संतुलन बिगड़ गया था, जिसके कारण बड़ा हादसा हो सकता था।

केंद्र सरकार ने जारी किए 2102 करोड़ रुपये

बिहार के 12 लाख से ज्यादा मनरेगा मजदूरों को जल्द मिलेगा बकाया भुगतान

पटना, बिहार के मनरेगा श्रमिकों को पिछले चार महीने के बकाया मजदूरी के भुगतान को लेकर केंद्र सरकार ने शनिवार को 2102 करोड़ 24 लाख 76 हजार रुपये जारी कर दिया है। इससे बिहार के 12 लाख से अधिक श्रमिकों के बकाया मजदूरी का भुगतान होगा। राशि के आभाव में 27 दिसंबर, 2024 के बाद से ही भुगतान बंद था। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा है कि राशि जारी होने के साथ ही श्रमिकों के खाते में भुगतान भी शुरू कर दिया जाएगा। मालूम हो कि पिछले करीब चार महीने से मनरेगा के तहत श्रमिक काम तो कर रहे थे, पर उन्हें मजदूरी नहीं मिल पा रही थी। इससे श्रमिकों को काफी परेशानी का सामना करना

पड़ रहा था।

केंद्र से राशि जारी होने से इन श्रमिकों को राहत मिली है। राज्य सरकार की ओर से इनकी बकाया मजदूरी के भुगतान के लिए केंद्र सरकार से कई बार आग्रह भी किया गया था। अब हर श्रमिक को औसतन 17 हजार के करीब मजदूरी मद में मिल पाएगा। मालूम हो कि मनरेगा के श्रमिकों की एक दिन की मजदूरी 245 रुपये है। मनरेगा के तहत साल में अधिकतम सौ दिनों का काम एक श्रमिक को दिया जाता है। 2102 करोड़ में अनुसूचित जाति वर्ग के श्रमिकों के लिए 411 करोड़ 47 लाख, अनुसूचित जनजाति वर्ग के श्रमिकों के लिए 43 करोड़ और अन्य वर्ग के श्रमिकों के 1646 करोड़ 88 लाख रुपये का भुगतान होगा।

2025-26 में 21 करोड़ मानव दिवस स्वीकृत

केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बिहार को 21 करोड़ मानव दिवस का बजट स्वीकृत किया गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 17 करोड़ मानव दिवस की स्वीकृति मिली थी। वहीं, इसके विरुद्ध 25 करोड़ पांच लाख दिनों का काम (मानव दिवस) राज्य के श्रमिकों को दिया गया है। इस तरह 2024-25 में लक्ष्य के विरुद्ध 147 प्रतिशत उपलब्धि हासिल हुई। कुल श्रमिकों में महिलाओं की भागीदारी 55.11 प्रतिशत रही। वहीं, अनुसूचित जाति-जनजाति का प्रतिशत 21.72 प्रतिशत रहा। इस दौरान कुल 12.74 लाख योजनाओं पर कार्य किया गया है। इनमें चार लाख 60 हजार कार्यों को पूरा कर लिया गया है। इस दौरान मनरेगा के तहत कुल 8489.75 करोड़ खर्च हुआ। इसमें सामग्री मद में 2157.78 करोड़ और प्रशासनिक मद में 390 करोड़ 44 लाख खर्च हुआ। वहीं, अकुशल मजदूरी में 5941 करोड़ रुपये खर्च हुए।

3000 करोड़ अब भी बकाया

मनरेगा के सामग्री मद में करीब 3000 करोड़ अभी भी केन्द्र सरकार पर बिहार का बकाया है। सामग्री मद में राशि का भुगतान लंबित रहने से आधारभूत संरचना के विकास के कार्य बाधित हो रहे हैं। विभाग ने इसको लेकर भी केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि यह राशि भी शीघ्र जारी की जाये।